विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। –सुफियान सौरी

राज्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की सभी व्यवस्था पुख्ता

भाजपा और कांग्रेस में कड़े मुकाबले के बीच मतदान 7 बजे से शुरू चुनावी प्रचार की भारी गहमागहमी के बाद राजस्थान विधान सभा के लिए शनिवार 25 नवम्बर 2023 को मतदान होने जा रहा है। 200 सीटों वाली राजस्थान विधानसभा की 199 सीटों पर 25 नवंबर को मतदान होगा, जबकि श्रीकरणपुर विधानसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी की मृत्यु होने के कारण चुनाव स्थगित कर दिया गया है। इससे पहले 2018 और 2013 में भी एक सीट पर चुनाव नहीं कराए गए थे।

भारत निर्वाचन आयोग ने राजस्थान में स्वतंत्र, निष्पक्ष और भय मुक्त वातावरण में मतदान की पुख्ता व्यवस्था की है। मतदान 25 नवम्बर को प्रात: 7 बजे से सायं 6 बजे तक संपन्न होगा। चुनाव में प्रदेशभर में स्थापित 51 हजार 507 मतदान केंद्रों पर 5 करोड़ 26 लाख 90 हजार 146 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर सकेंगे। पांच साल में प्रदेश में करीब 51 लाख 42 हजार मतदाता बढ़े हैं। वहीं 18-19 साल के 22 लाख 71 हजार 647 वोटर इस चुनाव में पहली बार मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने प्रदेश के समस्त मतदाताओं से अपील की है कि वे शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के लिए अपने क्षेत्र के मतदान बूथ पर पहुंच कर अपना मतदान करें। उन्होंने कहा मतदान आपका अधिकार और कर्तव्य है। 25 नवम्बर छुट्टी का दिन नहीं, लोकतंत्र का महा पर्व है। सशक्त और और मजबूत लोकतंत्र के साथ शत प्रतिशत मतदान के लिए हम सब की सहभागिता आवश्यक है। मतदान के लिए न केवल अपने मत का प्रयोग करे, अपितु दूसरों को भी मतदान केलिए प्रेरित करें। मतदान केंद्र पर मतदाताओं की सभी सुविधाएं सुनिश्चित की गई है।

गौरतलब है लोगों का, लोगों के द्वारा, लोगों के लिए शासन, यही लोकतंत्र की परिभाषा है और इस परिभाषा को पूर्ण करने के लिए हमें जिस प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है उसे मतदान कहा जाता है। मतदान के इस पर्व को जब हम उत्सव की भांति मनाना शुरू कर दें तो जाहिर है कि इस लोकतंत्र के पर्व में हम देश के अंतिम व्यक्ति तक को जोड़ सकते हैं। मतदान को अगर लोकतंत्र की आत्मा कहा जाए तो गलत नहीं होगा। मतदाता ही सबसे मजबूत और सशक्त लोकतंत्र का निर्माण करता है। भारत देश दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। भारत का गरीब से गरीब और सबसे अमीर व्यक्ति भी लोकतंत्र के इस महायज्ञ में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करता है।

इस बार चुनाव आयोग द्वारा राजस्थान विधान सभा चुनाव को लोकतंत्र के महा पर्व की तरह मनाया जा रहा है। चुनावों में हमारे प्रदेश का हर एक नागरिक हिस्सा ले, इसके लिए चुनाव आयोग द्वारा कई प्रावधान किए गए हैं। इसमें आम लोगों को साथ लेकर कई अभियान शुरू किए गए हैं।

इस बार चुनाव आयोग द्वारा राजस्थान विधान सभा चुनाव को लोकतंत्र के महा पर्व की तरह मनाया जा रहा है। चुनावों में हमारे प्रदेश का हर एक नागरिक हिस्सा ले, इसके लिए चुनाव आयोग द्वारा कई प्रावधान किए गए हैं। इसमें आम लोगों को साथ लेकर कई अभियान शुरू किए गए हैं। वोटर जागरूकता अभियान हर जगह स्कूल, कॉलेज से लेकर गांव-गांव तक पहुंच रहा है जिसका मुख्य उद्देश्य है कि कोई भी मतदाता ऐसा न हो जो मतदान करने न पहुंचे। मतदान हेतु दिव्यांग जनों और वरिष्ठ बुजुर्गों के लिए घर से वोट करने की सुविधा मिली ।

मतदान के द्वारा ही हमारे समाज और राष्ट्र का भविष्य तय होता है। हम कैसा राज्य और समाज चाहते हैं, इसके लिए हमें लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करनी होगी। ये हम सब जागरूक नागरिकों का कर्तव्य भी बनता है कि हम अपने आसपास भी लोगों की जागरूक करें। लोगों में ये धारणा है कि मेरे वोट देने, न देने से क्या फर्क पड़ेगा। लोकतंत्र में हर एक वोट का मूल्य है। मतदान का लाभ सिर्फ हमें व्यक्तिगत हित को साध कर नहीं देखना चाहिए। हमें ये सोचना चाहिए कि कौन सा ऐसा राजनीतिक दल और नेता होगा जो प्रदेश को आगे ले जाने में सर्वश्रेष्ठ भूमिका निभाएगा।

भारतीय राजनीति के लिहाज से 2024 का साल काफी महत्वपूर्ण होने वाला है। इस साल लोकसभा चुनाव होने वाला है। पांच राज्यों की विधानसभा चुनावों के परिणाम का सीधा असर देश की राजनीतिक सियासत पर पड़ेगा क्योंकि 2024 की बड़ी लड़ाई से ठीक पहले इन चुनाव नतीजों से देश के लोगों के मूड का पता चल जाएगा। 2023 में बह रही बयार अगले साल आने वाली आंधी की आहट का एहसास करा देगी। राजस्थान विधान सभा चुनाव जीतने के लिए सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी भाजपा ने अपने सभी संसाधन झोक दिए। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को विश्वास है इस चनाव में जनता ने कांग्रेस को फिर से सत्ता में लाने का मन बना लिया है।

हम जो 7 गारंटी देने जा रहे, उनका भी जनता को भरपूर फायदा मिलेगा। इसके मुकाबले प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने मोदी गारंटी की घोषणा करते हुए कहा राजस्थान में सत्ता परिवर्तन के लिए मतदाताओं में इतना असीम उत्साह देखकर मैं बहुत ही अभिभूत हूं। मोदी की रैलियों, सभाओं और रोड शो में उमड़ी भारी भीड़ से भाजपा गदगद है। मोदी ने कहा–'जहां कांग्रेस से उम्मीद खत्म होती है, वहां मोदी की गारंटी शुरू होती है।' जिसने भी गरीबों को लूटा है उसे छोड़ा नहीं जाएगा। इस चुनाव में भाजपा की और से जहाँ प्रधान मंत्री मोदी ने मुख्य रूप से प्रचार-प्रसार की कमान संभाली वहीं सहयोगी के रूप में गृह मंत्री अमित शाह और योगी आदित्यनाथ ने भी रैलियों को सम्बोधित किया। कांग्रेस की और से गहलोत के अलावा राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे, राहुल गाँधी और प्रियंका ने मुख्य रूप से स्टार प्रचारक के रूप में भाग लिया। मतगणना 3 दिसंबर को होंगी।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुंद ओझा
वरिष्ठ लेखक और पत्रकार

राशिफल शनिवार 25 नवम्बर, 2023

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2080, अश्विनी नक्षत्र दिन 2:56 तक, वारियान योग रात्रि 3:52 तक, तैतिल करण सांय 5:23 तक, चन्द्रमा मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-मेष, मंगल-वृश्चिक, बुध-वृश्चिक, गुरू-मेष, शुक्र-कन्या, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग दिन 2:56 से आरम्भ होगा। आज शनि प्रदोष व्रत, राधा वल्लभ पाटोत्सव, मास शिवरात्रि, वैकुण्ठ चतुरदशी उपवास भरणी दीपम है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:17 से 9:36 तक, चर 12:14 से 1:33 तक, लाभ-अमृत 1:33 से 4:11 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:58, सूर्यास्त 5:29

मेष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। व्यक्तिगत परेशानियों से राहत मिलेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

धनु
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जा सकते हैं।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं। समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। यात्रा में दुर्घटना का भय बना रहेगा।

मकर
घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों का आगमन बना रहेगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें।

तुला
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है।

वृश्चिक
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बना रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

सकारात्मक सोच के साथ मताधिकार का उपयोग जरुरी

डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

पांच साल में एक बार मिलने वाले अवसर को नकारात्मक सोच या गैरजिम्मेदारी से खो देना किसी भी हालात में उचित नहीं माना जा सकता। लोकतंत्र के महायज्ञ में प्रत्येक मतदाता को अपने मताधिकार का उपयोग कर मतदान करके अपनी आहुति देने का अवसर मिलता है। ऐसे में मतदान का बहिष्कार या फिर लापरवाही के कारण मतदान नहीं करना किसी अक्षम्य अपराध से कम नहीं कहा जा सकता है। वर्तमान सिनेरियों में नोटा प्रयोग भी मंथन का विषय होना चाहिए। नोटा के प्रवधान को लेकर पक्ष विपक्ष में अनेक तर्क दिए जा सकते हैं पर समय आ गया है कि उस पर बड़ी बहस हो और उसको अधिक प्रभावी या कारगर बनाने के प्रावधान किये जाये। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मतदान को लेकर की गई टिप्पणी भी इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाती है कि यिद हम मताधिकार का प्रयोग नहीं करते हैं तो फिर सरकार के खिलाफ किसी तरह की ग्रिवेंस करना उचित नहीं ठहराया जा सकता। कमोबेस यह सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी की भावना रही है और इससे साफ साफ संदेश हो जाता है कि सजग व जिम्मेदार नागरिक के रुप में प्रत्येक मतदाता का दायित्व हो जाता है कि वह अपने मताधिकार का प्रयोग करे। अब तो निर्वाचन आयोग ने मतदान सुविधाजनक भी बना दिया है। बुजुर्ग व दिव्याग मतदाताओं को घर बैठे मतदान का अवसर प्रदान कर दिया हैं वहीं मतदाताओं के लिए जागरुकता अभियान से लेकर निष्पक्ष चुनाव के लिए कारगर कदम उठाये जाने लगे हैं।

भले ही सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद ईवीएम में नोटा यानी कि नन ऑफ द अवोव का प्रावधान कर दिया गया हो पर एक जागरुक व जिम्मेदार मतदाता के लिए नोटा के प्रयोग को समझदारी भरा निर्णय नही माना जा सकता। कारण साफ है नोटा का बटन दबाकर अपनी भावना तो व्यक्त कर सकते हैं पर उसका इस मायने में कोई अर्थ नहीं रहता कि किसी की जीत हार में उसका असर नहीं पडता। राजस्थान के ही 2013 और 2018 के विधानसभा चुनावों का विश्लेषण किया जाए तो सा। हो जाता है कि 2013 के विधान सभा चुनावों में 4 करोड़ 8 लाख से अधिक मतदाताओं में से 5 लाख 89 हजार से कुछ अधिक यानी कि केवल 1.92 प्रतिशत मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। इसी तरह से 2018 के विधान सभा चुनावों का विश्लेषण किया जाए तो 4 करोड़77 लाख से कुछ अधिक मतदाताओं में से 4 लाख 67 हजार से कुछ अधिक यानी कि 1.3 प्रतिशत मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाकर विरोध दर्शाया। अब एक और 2018 में नोटा प्रयोग में कमी आई है तो इसके साथ ही नोटा अपने आप में नकारात्मकता को दर्शाता है। हांलाकि आपने नोटा का प्रयोग कर यह संदेश दे दिया कि आपकी नजर में कोई भी उम्मीद्वार खरा नहीं उतर रहा पर सोचने वाली बात यह भी है कि इनमें से कोई एक उम्मीद्वार ही विजयी होगा। आपका नोटा का बटन जीत हार के अंतर को तो कम कर सकता है पर लोकतंत्र में मताधिकार का जो महत्व होता है वह पूरा नहीं होता दिखता। नोटा के प्रयोग के स्थान पर उपलब्ध विकल्पों में से ही किसी एक को चुनना ज्यादा बेहतर माना जा सकता है। हांलाकि एक समय था जब कई बूथों पर विरोध स्वरुप मतदान का बहिष्कार करने का निर्णय कर लिया जाता था या फिर लोगों द्वारा उपलब्ध उम्मीद्वारों में किसी को भी मत देने योग्य नहीं समझने के कारण विरोध का मत यानी कि नोटा के प्रयोग की मांग की जाती रही। नोटा का परिणाम प्रभावी तरीके से राइट टू रिजेक्ट होता तो अधिक कारगर होता।

तस्वीर का दूसरा पक्ष यह भी है कि अमेरिका सहित दुनिया के कई देशों में उसकी कारगरता के अभाव के कारण नोटा के प्रावधान को हटाया जा चुका है। यों कहे कि कई देशों में नोटा के प्रावधानों को कारगर नहीं पाने के कारण हटा दिया गया है। अमेरिका की ही बात करें तो वहां नोटा का प्रावधान रहा है पर 2000 आते आते उसे हटा दिया गया। इसी तरह से रुस ने 2006 और पाकिस्तान में 2013 में नोटा प्रावधान को हटाया जा चुका है। देश के प्रबुद्ध नागरिकों, वुद्धिजीवियों, राजनीतिक विश्लेषकों, कानूनविदों को नोटा को लेकर गंभीर बहस छेडनी होगी जिससे नोटा को वास्तव में चुनावों में हथियार के रुप में उपयोग किया जा सके। आज की तारीख में बात करें तो नोटा केवल और केवल आपके विरोध को दर्ज कराने तक ही सीमित माना जा सकता है।

एक दूसरी बात और जिस पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। आजादी के 75 साल बाद और दुनिया की सबसे बेहतरीन चुनाव व्यवस्था के बावजूद मतदान प्रतिशत 90 से 100 प्रतिशत के आंकडें को नहीं छूना चिंता का विषय है। आज हालात बदल चुके हैं। कोई भी किसी को मतदान के अधिकार से जोर जबरदस्ती या अन्य कारण से रोक नहीं सकता। भारतीय चुनाव आयेग की निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था को सारी दुनिया द्वारा सराहा जाता है और लोहा मानते हैं। इस सबके बावजूद मतदान का प्रतिशत कम होना गंभीर है। ऐसे में मतदान का बहिष्कार या मतदान नहीं करना जिम्मेदार मतदाता का काम नहीं हो सकता। पांच साल में एक बार आने वाले इस अवसर का उपयोग सकारात्मक सोच व उपलब्ध विकल्पों के आधार पर ही बेहतर तरीके से किया जा सकता है। इसलिए मतदान को अपना कर्तव्य समझ कर घर से बाहर निकलें और मताधिकार का उपयोग अवश्य करें यह सभी मतदाताओं के दिलोदिमाग में होना चाहिए।

–डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)

जनता-जनार्दन के दिन आज समाप्त

डॉ. राजेन्द्र जोशी

सक्रियता और प्रबंधन सुबह से शाम तक जनता-जनार्दन के बीच बने रहना, आवरण से मुक्त होकर पांच बरस का हिसाब देना। सावचेती से बीच बाजार खुद झोंक देना, झोली फैलाकर डमरू बजाना। ऐसी दिनचर्या चुनाव के बाद क्यों नहीं बनी रहती। थकावट नहीं होती, परेशानी नहीं है, सुरक्षा की भी चिंता नहीं है। जहां जो बुलाए वहां पहले जाना और बिन बुलाए मेहमान भी बन कर चले जाना। यह सब खेल खुद के चुनाव के लिए रहता है ना कि किसी राजनैतिक पार्टी या अन्य उम्मीदवार के लिए। राजनैतिक पार्टियों के उम्मीदवार क्या इतनी ही सक्रियता लोकसभा चुनाव में अपनी पार्टी के उम्मीदवार के लिए दिखाएंगे।

सिंबल तो उम्मीदवार को साथ लेकर चलता है, अब सभी उम्मीदवारों की सक्रियता समाप्त हो गई, परिणाम का इंतजार है, परिणाम की सूचना देने जनता में उम्मीदवार नहीं जाता, बल्कि जनता उसे परिणाम बताने जाती है। अब मतदाता नेताओ के दरबार में लाइन लगाए पांच साल खड़ी रहेगी। जनता के लिए दस दिन आज समाप्त ।

चुनाव धीरे-धीरे व्यक्तिवादी होता जा रहा है। एक समय था जब राजनैतिक पार्टियों के कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी समझ कर पार्टी के उम्मीदवार को जिताने के लिए सक्रिय रहते थे, ऐसी स्थिति में केन्द्र और राज्यों में संबंधित दल का प्रदर्शन भी अच्छा रहता था। बदलते दौर में सबसे बड़ी समस्या यही है कि लोकसभा चुनाव के दौरान विधानसभा, नगर परिषद एवं जिला परिषदों में रहे प्रत्याशी की सक्रियता नहीं रहने से केन्द्र में पार्टियां पिछड़ती जा रही है। राजनैतिक पार्टियां इस पर ध्यान नहीं देती।

आज हो रहे विधानसभा चुनाव में सभी प्रदेशवासियों की नजर परिणाम घोषित होने से पहले अपने-अपने कयासों एवं गणित बिठाकर चलेगे।

लेखक हिन्दी- राजस्थानी के साहित्यकार है।

– राजेन्द्र जोशी,
कवि-कथाकार

हरिद्वार-बाड़मेर स्पेशल ट्रेन कल से

जोधपुर, (कासं)। हरिद्वार की यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए रेल प्रशासन द्वारा बाड़मेर से हरिद्वार के बीच डेगाना-रतनगढ़ के रास्ते 26 नवंबर को विशेष ट्रेन चलाई जाएगी। जोधपुर मंडल के सीनियर डीसीएम विकास खेड़ा ने बताया कि ट्रेन 04833,बाड़मेर-हरिद्वार स्पेशल ट्रेन बाड़मेर से 26 नवंबर को सुबह 5 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 3 बजे हरिद्वार पहुंच जाएगी। उन्होंने बताया कि वापसी में ट्रेन 04834, हरिद्वार-बाड़मेर स्पेशल ट्रेन 27 नवंबर को हरिद्वार से सायं 7.30 बजे रवाना होकर अगले दिन सायं 5.40 बजे बाड़मेर पहुंच जाएगी।

सांभर में लोगों को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए सरकारों ने अनदेखी की

रोजगार के लिए हजारों लोग रोजाना जयपुर-अजमेर कर रहे हैं अप-डाउन

सांभरझील, (निसं)। फुलेरा विधानसभा क्षेत्र के सांभर उपखंड मुख्यालय पर इंडस्ट्रियल स्थापित कर लोगों को सुलभ रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए बीते 70 वर्षों में जितनी भी सरकारें आई उनकी ओर से इस दिशा में अनदेखी की गई है। रोजगार के लिए हजारों लोग रोजाना जयपुर-अजमेर अप-डाउन करते हैं।

सांभर को औद्योगिक नगरी का दर्जा दिलाना तो दूर उप जिला सांभर को जिला घोषित करवाने में नाकाम रहे विधायकों की कमजोरी फुलेरा विधानसभा क्षेत्र के लिए दुर्भाग्य साबित हुई है। रोजगार के अभाव में बीते कई दशकों में सांभर से अब तक हजारों लोग अपने खुद के व परिवार के सुनहरे भविष्य को संवारने के लिए अन्यत्र शिफ्ट हो चुके हैं। उद्योग धंधों के अभाव के कारण सैकड़ों गरीब परिवारों की महिलाएं भी नावा, राजास आदि क्षेत्रों में नमक का काम करने के भोर होते ही घर से निकल जाती है। पर्यटन नगरी का दर्जा तो मिला लेकिन पर्यटन जैसा यहां माहौल बनाने में जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संस्थाओं की भूमिका भी शून्य ही रही। पर्यटन विभाग की वेबसाइट पर भी यहां के धार्मिक तीर्थ स्थलों, लावणीय झील में विचरण

■ वहीं लोगों को कई मूलभूत सुविधायें भी नहीं मिल पा रही है

करते खूबसूरत पक्षियों की तस्वीरें, प्राचीन इमारतें के फोटोस सांभर के इतिहास को भली-भांति से दर्शित तो करते हैं लेकिन धरातल पर सब कुछ उल्टा-पुल्टा है। चिकित्सा क्षेत्र की सुविधाएं जिला स्तर की अभी तक उपलब्ध नहीं हो पा रही है।

सांभर से अजमेर व सांभर से सीकर के अलावा शाकंभरी माता मंदिर जाने के लिए राजस्थान रोडवेज की तरफ से बस उपलब्ध नहीं है, एक दो बस के अलावा आने-जाने का कोई साधन नहीं है जो पूरी तरह से अपर्याप्त है। उपखंड मुख्यालय पर सफाई की व्यवस्था ऐसी कि बाहर से कोई देशी विदेशी आ जाए तो देखकर के सोचने पर मजबूर हो जाएगा कि क्या मैं वाकई में पर्यटन नगरी में आ गया हूं। इसके अलावा एजुकेशन में भी सांभर उपखंड मुख्यालय पर कॉलेज के बाद दूसरा कोई विकल्प नहीं है। लिहाजा यहां के हजारों अभिभावक अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए उन्हें जयपुर, अजमेर अथवा अन्य जगहों पर भेजने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। रेल मार्ग से सांभर से जयपुर व जयपुर से सांभर के लिए कुछ ट्रेनों के ठहराव की सुविधा अभी तक नहीं हो पाना सैकड़ों मुसाफिरों के लिए दुखदाई बना हुआ है। भूमिगत विद्युत लाईन का कार्य पेंडिग है। सीवरेज लाइन के लिए कोई खाका तैयार नहीं किया गया है। सड़कों की हालत खस्ता है। यहां के चुने हुए जनप्रतिनिधि अपनी भूमिका सही प्रकार से अदा नहीं कर रहे हैं। विकास करवाने की दिशा में यहां का व्यापारिक संगठन भी सुस्त पड़ा है। कर्मियों का ठीकरा एक दूसरे पर फोड़ने में यहां का युवा वर्ग पूरी तरह से सोशल मीडिया पर बिजी है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर तैनात जवान की हादसे में मौत

कोटपूतली, (निसं)। भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा चौकी पर तैनात निकटवर्ती ग्राम खेड़ा भोजावास निवासी बीएसएफ कानि. मनमोहन सिंह तंवर (34) का निधन हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार तंवर बंगाल स्थित बांग्लादेश सीमा चौकी पर गत 22 नवम्बर को ड्यूटी के दौरान एक दुर्घटना में घायल हो गये थे। जिसके बाद उनका निधन हो गया। मृतक कानि. तंवर की पार्थिव देह उनके पैतृक ग्राम खेड़ा भोजावास लाई गई। जहां शुक्रवार को उनका सैन्य व राजकीय सम्मान के साथ अन्तिम संस्कार किया गया।

बीएसएफ सूत्रों के अनुसार दुर्घटना में घायल होने के बाद सिर से अत्यधिक खून बहने से उनकी मौत हो गई। तंवर वर्ष 2013 में बीएसएफ में भर्ती हुये थे। शुक्रवार को ग्राम भोजावास में हुई अंत्येष्टि में बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ अनेक जनप्रतिनिधि

मृतक कानि. मनमोहन सिंह तंवर

■ मृतक कानि. का ग्राम खेड़ा भोजावास में अन्तिम संस्कार किया गया

एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी भी शामिल हुए। मृतक जवान को उनके बड़े बेटे भावेश ने मुखाग्नि दी। जवान की पार्थिव देह भारत-बांग्लादेश बॉर्डर से दिल्ली तक वायु मार्ग से एवं दिल्ली से शुक्रवार को सड़क मार्ग द्वारा खेड़ा भोजावास लाया गया। जहां टोडी बस स्टैण्ड से बड़ी संख्या में ग्रामीण व युवाओं ने भारतमाता के जयकारे लगाते हुए पार्थिव देह अंतिम यात्रा निकाली। युवाओं ने भारत माता की जय, मनमोहन सिंह तंवर अमर रहे व जब तक सूरज चांद रहेगा, मनमोहन तेरा नाम रहेगा जैसे नारे लगाए। बीएसएफ टुकड़ी ने अंतिम सलामी दी।

इससे पूर्व मनमोहन के निधन की खबर मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। इस दौरान अंत्येष्टि क्रिया में कांग्रेस प्रत्याशी राजेन्द्र सिंह यादव, भाजपा प्रत्याशी हंसराज पटेल, निर्दलीय प्रत्याशी मुकेश गोयल, जजपा प्रत्याशी रामनिवास यादव समेत सरूण्ड एसएचओ राजेश यादव एवं अन्य अधिकारी भी शामिल हुये।

चंबल-पांचना-जगर लिफ्ट परियोजना 18 वर्ष में नहीं हुई पूरी

हिण्डौन सिटी, (कासं)। विधानसभा क्षेत्र की सबसे बड़ी मांग चंबल-पांचना-जगर लिफ्ट परियोजना 18 वर्षों में पूरी नहीं हो पाई है। चुनावों में चंबल-पांचना-जगर लिफ्ट परियोजना को लेकर कई बार सियासी रंग चढ़ाकर वादे किए। वर्ष 2023-24 में आखिरी बजट में मात्र 20 करोड़ का बजट रखा गया। सामाजिक कार्यकर्ता और जगरोटी क्षेत्र निवासी नाहर सिंह डागुर ने कहा कि मानसून की कमजोर स्थिति के कारण जगर बांध की 44 किलोमीटर नहरी क्षेत्र 15 वर्षों से सूखा पड़ा है। जिसके कारण किसानों को फसलों की सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल रहा है।

इसी प्रकार चंबल-पांचना-जगर लिफ्ट परियोजना की मांग कर रहे समिति के महामंत्री भरत सिंह डागुर का कहना है कि वर्ष 2005 से इस परियोजना की मांग चल रही है। वर्ष 2007 में डीपीआर भी तैयार किया गया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2008-2009 में 18 दिनों तक किसानों ने आंदोलन किया। जिसमें तत्कालीन राज्य सरकार के साथ किसान संघर्ष समिति की वार्ता भी हुई। हालांकि मामला ठंडे बस्ते में है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान क्षेत्र के मुख्य मुद्दे शामिल नहीं होते। पिछले 15 वर्षों में हिंडौन और टोडाभीम क्षेत्र में मानूसन के दौरान 300 से 500 एमएम बारिश होने के कारण नलकूप भी सूख रहे हैं। भूजल स्तर गिर रहा है। कृषि एक्सपर्ट का कहना है कि क्षेत्र में परियोजना के माध्यम से पानी की आवक होती है तो सूखे बांध और नदियों के आसपास भी जलस्त्रोत बढ़ेगा।

■ 44 किलोमीटर नहरी क्षेत्र 15 वर्षों से सूखा, 2005 से परियोजना को लेकर उठ रही मांग

सामूहिक विवाह सम्मेलन में 27 जोड़ों ने एक-दूसरे का दामन थामा

जोधपुर/पाली, (नि.सं.)। रांकावत वैष्णव ब्राह्मण समाज जोधपुर का दसवां सामूहिक विवाह सम्मेलन गुरुवार को स्काउट गाइड मैदान में धूमधाम से संपन्न हुआ। सामूहिक विवाह में 27 जोड़ों ने एक-दूसरे का दामन थामा। जहां सुबह से ही हजारों समाज बंधुओं का मेला से लग रहा है। विवाह कार्यक्रम गायत्री परिवार की कार्यकर्ता द्वारा संपन्न कराया गया।

जानकारी के अनुसार दोपहर में संस्था की ओर से दानदाता सम्मान कार्यक्रम रखा गया। जिसमें सभी को दुपट्टा पहनाकर साफा माला मोमेंट तो

■ विवाह कार्यक्रम गायत्री परिवार की कार्यकर्ता द्वारा संपन्न कराया गया

देकर सम्मानित किया। रांकावत समाज विवाह संस्था के आयोजक श्याम गोयल, जमुना प्रसाद पेशवा, राजेंद्र गोयल, रामचंद्र गोयल, बालकिशन, पवन पेशवा धर्मेंद्र मोरध्वज, प्रेम चासता, मुकेश शर्मा, टीम का भरपूर सहयोग रहा। वहीं सामूहिक विवाह महाप्रसादी के लाभार्थी गुरुरिया परिवार का स्वागत किया। अतिथिगण में अखिल भारतीय अध्यक्ष अखिल प्रकाश कोटेचा, पूर्व अध्यक्ष मुकेश के व्यास, रामदास बिरामी, चैन दास बोराणा, मदनजी सिंदरू, फुआ लाल रानी, कमल किशोर ब्यावर, मांगीलाल बोराणा आदि का स्वागत किया।